

पवन कल्याण की यात्रा 'स्वच्छ गोदावरी' पहल की शुरुआत है: मंत्री कंडुला दुर्गेश

अमरावती, 2 जून (एजेंसियां)। पर्यटन मंत्री कंडुला दुर्गेश ने कहा कि उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की दो दिवसीय राजामहेंद्रवरम यात्रा ने एक व्यापक मास्टर प्लान की नींव रखी है। इस मास्टर प्लान का उद्देश्य गोदावरी नदी को पुनर्जीवित करना और 2027 के गोदावरी पु्कारम के लिए नदी के पानी को प्रदूषण मुक्त बनाना है। इस पहल को स्वच्छ गोदावरी – पवित्र पुष्करम मिशन की शुरुआत बताते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने निरीक्षण से कार्रवाई की ओर तेजी से कदम बढ़ाया है। सरकार ने 24 घंटे के भीतर ही आदेश जारी कर राज्य की प्रमुख नदियों में प्रदूषण से निपटने के लिए एक उच्च-स्तरीय 'पर्यावरण संरक्षण कार्य बल' का गठन किया है। पु्कारम मास्टर प्लान पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने गोदावरी बेसिन के छह जिलों में फैले 262 ग्राम पंचायतों की पहचान की है। जहाँ बड़े पैमाने पर स्वच्छता और अपशिष्ट जल प्रबंधन कार्यक्रम चलाए जाएँगे। इसका उद्देश्य 2027 के पु्कारम से पहले नदी के पूरे प्रवाह क्षेत्र को प्रदूषण मुक्त बनाना है। उम्मीद है कि इस आयोजन में लगभग 10 करोड़ श्रद्धालु शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि औद्योगिक कचरे के निकास पर नजर रखने के लिए एक विशेष 'रियल-टाइम निगरानी और नियंत्रण केंद्र' भी स्थापित किया जाएगा।

आंध्र में जल्द ही बीपीसीएल रिफाइनरी की आधारशिला रखी जाएगी

नेल्लोर, 2 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश इस महीने बीपीसीएल की ग्रीनफील्ड रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखने के लिए तैयार है। इस 1 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट के लिए ज़मीन अधिग्रहण का काम लगभग पूरा होने वाला है। रामायपटनम बंदरगाह के पास इस प्रोजेक्ट के लिए ज़रूरी 6,000 एकड़ ज़मीन में से 4,500 एकड़ ज़मीन पहले ही अधिग्रहित की जा चुकी है। बाकी 1,500 एकड़ ज़मीन अगले महीने तक मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा, कॉम्प्लेक्स के आस-पास विकसित होने वाले सहायक उद्योगों के लिए 3,000 एकड़ अतिरिक्त ज़मीन भी आर्क्षित की गई है। राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो, यह कॉम्प्लेक्स हर साल 9 से 12 मिलियन मीट्रिक टन तेल प्रोसेस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे हाल के वर्षों में

क्या यह जगन को रोकने की चाल है, या दोस्ती का हाथ?

कडपा, 2 जून (एजेंसियां)। वॉईएसआर तेलंगाना पार्टी का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय करने और आंध्र प्रदेश में पीसीसी प्रमुख का पदभार संभालने के बाद, वॉईएस शर्मिला के राजनीतिक भविष्य को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। हाल ही में, यह खबर आई है कि कांग्रेस आलाकमान ने राज्यसभा सीट को लेकर लगभग फैसला कर लिया है; इस खबर पर दिल्ली के राजनीतिक गलियारों के साथ-साथ तेलुगु राज्यों में भी ज़ोरदार चर्चा हो रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह फैसला पार्टी के विलय के समय राहुल गांधी द्वारा दिए गए आश्वासन के आधार पर लिया जा रहा है। इस घटनाक्रम का आंध्र प्रदेश की राजनीति पर, विशेष रूप से वॉईएस जगन मोहन रेड्डी की भविष्य की रणनीतियों पर असर पड़ने की संभावना है। वॉईएस शर्मिला को राज्यसभा भेजने का कांग्रेस आलाकमान का विचार केवल एक वादा पूरा करना भर नहीं है; ऐसा महसूस होता है कि इसके पीछे एक मजबूत राजनीतिक रणनीति काम कर रही है। पार्टी के विलय के बाद,

शर्मिला को राज्यसभा सीट कांग्रेस की क्या है रणनीति?



राहुल गांधी ने खुद उनसे कहा था कि उन्हें संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) में भेजा जाएगा। अब जब वह समय नज़दीक आ रहा है, तो दिल्ली की उनकी यात्रा लगभग तय मानी जा रही है। हालाँकि, उन्हें यह पद मिलने के बाद, आंध्र प्रदेश में कांग्रेस पार्टी द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीति अब सबसे महत्वपूर्ण हो गई है। यह फैसला आंध्र प्रदेश की राजनीति में नए समीकरणों को जन्म देगा।

यदि राज्यसभा सदस्य के रूप में ज़िम्मेदारी संभालने के बाद, वह अपने हितों को केवल राष्ट्रीय राजनीति तक ही सीमित रखती हैं, और आंध्र प्रदेश कांग्रेस की कमान किसी अन्य नेता को सौंप दी जाती है, तो इससे राज्य में एक

अलग तरह की राजनीति देखने को मिलेगी। एक तरह से, कुछ लोगों का मानना ​​है कि यह वॉईएस जगन मोहन रेड्डी के लिए एक अप्रत्यक्ष समर्थन साबित होगा। क्योंकि, यदि शर्मिला। जो राजनीतिक रूप से जगन को कड़ी टक्कर दे रही हैं। राज्य की राजनीति से हट जाती हैं, तो वॉईएस।आर कांग्रेस पार्टी को कुछ राहत मिलेगी। शर्मिला के बिना, आंध्र प्रदेश कांग्रेस शायद जगन का मजबूती से मुकाबला न कर पाए, जिससे जगन को अपना पुराना वोट बैंक बचाने का मौका मिल जाएगा। इसके विपरीत, यदि शर्मिला को राज्यसभा सीट देकर राष्ट्रीय स्तर का दर्जा दिया जाता है, और साथ ही उन्हें आंध्र प्रदेश में ही

मई 2026 में आंध्र में कमर्शियल टैक्स में 19% की बढ़ोतरी

अमरावती, 2 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश ने मई 2026 में कमर्शियल टैक्स कलेक्शन में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की (737 करोड़ रुपये, जो मई 2025 से ज्यादा है)। यह अप्रैल 2026 में एफवाई 2026-27 की शानदार शुरुआत का सिलसिला जारी रहने का संकेत है। एफवाई 2025-26 में हासिल 6 प्रतिशत की कुल बढ़ोतरी को आधार बनाते हुए, कमर्शियल टैक्स विभाग ने अनुशासित तरीके से रेवेन्यू जुटाने की अपनी गति को बनाए रखा है। मई 2026 के लिए नेट जीएसटी कलेक्शन 3037 करोड़ रुपये रहा। साल-दर-साल बढ़ोतरी: मई 2025 के मुकाबले 16 प्रतिशत - जो नियमों के पालन और प्रशासनिक दक्षता में लगातार हो रहे सुधार को दिखाता है।

राज्य टैक्स के मुख्य आयुक्त बाबू ए के अनुसार, 16 प्रतिशत की यह बढ़ोतरी राष्ट्रीय औसत (आयात को छोड़कर) 6 प्रतिशत से ज्यादा है, जो पूरे भारत के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन को दिखाता है। दक्षिणी राज्यों में, आंध्र

प्रदेश कर्नाटक (17%) के बाद दूसरे स्थान पर है और केरल (15%), तेलंगाना (14%) और तमिलनाडु (12%) से बेहतर प्रदर्शन करता है, जो अपेक्षाकृत मजबूत बढ़ोतरी की गति का संकेत है।

ऑडिशान ने (-5%) की नकारात्मक बढ़ोतरी दर दर्ज की। भारत सरकार ने मई 2026 के लिए आंध्र प्रदेश के साथ 1758.58 करोड़ रुपये का आईजीएसटी सेटल किया, जो मई 2025 की इसी अवधि (1524.46 करोड़ रुपये) के सेटलमेंट से 234.12 करोड़ रुपये (यानी 15.36%) ज्यादा है। मई 2026 में, सभी टैक्स मंदों से कुल कलेक्शन 4950 करोड़ रुपये तक पहुँच गया, जबकि मई 2025 में यह 4165 करोड़ रुपये था - जो 19% की बढ़ोतरी को दिखाता है। मई 2026 में बढ़ोतरी का मुख्य कारण पेट्रोलियम वीएटी और चुनिंदा सेवाएं (रियल एस्टेट, निर्माण) और सामान (बिजली की मशीनरी और उपकरण, बुलियन और आभूषण) रहे।

मंदिर उत्सव में जूस पीने से 70 लोग बीमार

चित्तूर, 2 जून (एजेंसियां)। चित्तूर ज़िले के बैरेड्डीपल्ली मंडल के पटापेटा गांव में गंगम्मा जतारा उत्सव के दौरान बांटे गए जूस को पीने के बाद, बच्चों और बड़ों समेत करीब 70 लोग कथित तौर पर बीमार पड़ गए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, ग्रामीणों ने गुरुवार को सालाना गंगम्मा जतारा की शुरुआत की थी। उत्सव के हिस्से के तौर पर, गांव की एक महिला ने भक्तों को जूस बनाकर बांटा। यह जूस एक नारंगी रंग के लिक्विड कॉन्संट्रेट (गाढ़े घोल) का इस्तेमाल करके बनाया गया था, जिसे कथित तौर पर तमिलनाडु से लाया गया था। जूस पीने के तुरंत बाद, करीब 70 लोगों ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की शिकायत की और उनकी तबीयत बिगड़ गई। सूचना मिलते ही, बैरेड्डीपल्ली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डॉ। विजय चंदर अपने मेडिकल स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और प्रभावित लोगों को तत्काल इलाज मुहैया कराया। यह घटना भुमनावर को सामने आई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सभी मरीजों पर इलाज का अच्छा असर हुआ और वे ठीक हो गए।

हाई कोर्ट एसपीएफ स्टाफ ने कांस्टेबल के परिवार के लिए 1.10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी

अमरावती, 2 जून (एजेंसियां)। हाई कोर्ट की आंध्र प्रदेश स्पेशल प्रोटेक्शन फ़ोर्स (एपीएसपीएफ) के हेड कांस्टेबल के। श्रीनिवासुलु की ड्यूटी के दौरान एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। इस घटना से हाई कोर्ट यूनिट का स्टाफ सदमे में आ गया। मृतक के परिवार की देखभाल के लिए, एपी हाई कोर्ट एसपीएफ यूनिट के स्टाफ ने

डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने पंचायत टैक्स न देने वालों के खिलाफ अभियान चलाने का आदेश दिया

विजयवाड़ा, 2 जून (एजेंसियां)। डिप्टी मुख्यमंत्री और पंचायत राज व ग्रामीण विकास मंत्री पवन कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ग्राम पंचायत की सीमाओं के भीतर काम कर रहे उद्योगों, शिक्षण संस्थानों और अन्य प्रतिष्ठानों द्वारा की जा रही टैक्स चोरी का पता लगाने के लिए पूरे राज्य में एक अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि अगर टैक्स ठीक से इकट्ठा किया जाए, तो इससे स्थानीय निकायों को लगभग 5,496 करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकता है और गांवों में नागरिक सुविधाओं का बुनियादी ढांचा काफी बेहतर हो सकता है। मंगलगिरी स्थित अपने कैप कार्यालय में पंचायत राज और ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, पवन कल्याण ने इस बात पर चिंता जताई कि उद्योग

बाग में महिला और उसकी बेटी मृत मिली

एलुरु, 2 जून (एजेंसियां)। एलुरु जिले के उंगुदुरु मंडल के नल्लामाडु गांव के पास एक काजू के बाग में एक महिला और उसकी बेटी संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गईं, जिसके बाद पुलिस ने एक व्यापक जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान एम। वेंकट लक्ष्मी (एलुरु नगर निगम में एक कार्यालय कर्मचारी) और उनकी मां घंटा एंथोबाई के रूप में हुई है; ये दोनों अनंतपल्ली कोठापेटा की निवासी थीं। वेंकट लक्ष्मी दिव्यांग थीं और अपनी दैनिक गतिविधियों तथा कार्यालय के कामों में मदद के लिए पूरी तरह अपनी मां पर निर्भर थीं। पुलिस ने बताया कि दोनों एक निजि समारोह में शामिल होने के लिए अपने पैतृक गांव आई थीं। जब वे वापस नहीं लौटीं और उनसे संपर्क भी नहीं हो पाया, तो परिवार के सदस्यों को चिंता होने लगी। बाद में उनके शव बाग में आंशिक रूप से सड़ी-गाली हालत में मिले, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनकी मौत कई दिन पहले ही हो चुकी थी। इस घटना से स्थानीय समुदाय स्तब्ध रह गया, जिसने तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। पुलिस की टीमों तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं, इलाके को सुरक्षित किया और फ़ोरेंसिक विशेषज्ञों ने वहां से सबूत जुटाए। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या पीड़ितों की हत्या कहीं और करके उनके शवों को बाग में फेंक दिया गया था,

निजता के अधिकार का इस्तेमाल कानूनों से बचने के लिए ढाल के तौर पर नहीं किया जा सकता: हाईकोर्ट

विशाखापत्तनम, 2 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि जालसाजी और धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में कानूनों से बचने के लिए निजता के अधिकार का इस्तेमाल ढाल के तौर पर नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने साफ किया कि आधार एक्ट की धारा 33(1) आधार से जुड़ी जानकारी शेयर करने पर पूरी तरह से रोक नहीं लगाती है, और ऐसी जानकारी कोर्ट के आदेश पर, उचित सुरक्षा उपायों के साथ, बताई जा सकती है। चीफ जस्टिस लीसा गिल और जस्टिस आर रघुनंदन राव की डिवीजन बेंच ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) को निर्देश दिया कि वह जर्मनों की कथित धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी व्यक्ति की आधार और बायोमेट्रिक जानकारी पुलिस को दे। कोर्ट ने एक सिंगल जज के पहले के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें उन्होंने जानकारी बताने का निर्देश देने से मना कर दिया था। यह मामला विशाखापत्तनम ज़िले के पेंदुरथी मंडल के

सरिपल्ली गांव के सीताराम अंजनेयुलु की शिकायत से शुरू हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अज्ञात लोगों ने उनके नाम पर एक नकली आधार कार्ड बनाया और उसका इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से उनकी 16 एकड़ ज़मीन दो बिक्री विलेखों (बिक्री विलेख) के ज़रिए किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पर रजिस्टर करावा दी।

उनकी शिकायत के बाद, पेंदुरथी पुलिस ने एक मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। अंजनेयुलु ने विशाखापत्तनम की एक कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया, जिसने उनके पक्ष में एक अंतरिम रोक लगा दी। इसके बाद, रजिस्ट्रेशन अधिकारियों ने विवादित बिक्री विलेखों को रद्द कर दिया। जांच के दौरान, पीड़ित ने सूचना का अधिकार एक्ट के तहत यूआईडीएआई से नकली आधार कार्ड और उससे जुड़ी बायोमेट्रिक जानकारी मांगी। हालाँकि, यूआईडीएआई ने जनवरी 2024 में इस अनुरोध को खारिज कर दिया।

तिरुपति ज़िले के लिए चार रेलवे डिवीजन और दो जोन बड़ी रुकावट

तिरुपति, 2 जून (एजेंसियां)। तिरुपति ज़िले की अנוखी स्थिति है कि इसका प्रशासन दो अलग-अलग रेलवे जोन के तहत चार रेलवे डिवीजन द्वारा किया जाता है। एक बड़ी प्रशासनिक और तकनीकी बाधा बनकर उभरी है। इससे देश के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों से से एक में रेलवे विकास परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे के विस्तार में देरी हो रही है। साउथ कोस्ट रेलवे (एससीओआर) और सदर्न रेलवे जोन में चार रेलवे डिवीजन हैं: चेन्नई, विजयवाड़ा, गुंटूर और गुंटकल। तिरुपति और निरुगुंड, गुंटकल डिवीजन के अंतर्गत आते हैं, जबकि पुत्तूर, नागरी, नायडुपेटा और सुल्लुरूपेटा, चेन्नई डिवीजन के अंतर्गत आते हैं। श्रीकालहस्ती-नाडिकुडी मार्ग, गुंटूर डिवीजन के अंतर्गत आता है, जबकि गुड्डूर रेलवे स्टेशन, विजयवाड़ा डिवीजन के अंतर्गत आता है। बालाजी रेलवे डिवीजन (तिरुपति) साधना समिति के संयोजक कुप्पला गिरिधर ने कहा कि तिरुपति ज़िले का रेलवे विकास बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसकी वजह यह है कि रेल मंत्रालय, ज़िले के दो रेलवे जोन और चार रेलवे

पेंशन, रोज़गार, निवेश एपी के कल्याण-आधारित शासन को आगे बढ़ा रहे हैं: सीएम चंद्रबाबू नायडू



काकीनाडा, 2 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने जोर देकर कहा है कि राज्य कल्याण-आधारित शासन के एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है, जहाँ पेंशन, कौशल विकास और औद्योगिक निवेश पूरे राज्य में लोगों के जीवन को बदल रहे हैं। काकीनाडा ज़िले के तुनी मंडल के चमावरम गाँव में 'एनटीआर भरोसा पेंशन वितरण - प्रजा वेदिका' कार्यक्रम के दौरान एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सृजन के क्षेत्रों में गठबंधन सरकार की व्यापक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने नागरिकों को विश्वेशी वॉईएससीपी) कांग्रेस पार्टी (वॉईएसआरसीपी) द्वारा रची जा रही उन 'विभाजनकारी साजिशों' के प्रति भी सागाह किया, जिन्हें उन्होंने 'विभाजनकारी साजिशें' करार दिया। चंद्रबाबू नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा

चली आ रही प्रशासनिक समस्याओं को हल करने में नाकाम रहा है। अलग-अलग डिवीजन और जोन के बीच तालमेल बिठाना अक्सर एक चुनौती बन जाता है, जिससे परियोजनाओं को पूरा करने में देरी होती है।

यूनिफ़ॉम नेताओं ने जोर देकर कहा कि एक अलग, तिरुपति-केंद्रित रेलवे डिवीजन बनाना समय की मांग है। ऐसा करने से प्रशासनिक दक्षता में काफी सुधार होगा और पूरे ज़िले में विकास कार्यों में तेजी आएगी। ज़िला रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (डीआरसीसीयू) के पूर्व सदस्य गुंडुलुरु वेंकटरमन ने टीएनआई के बताया कि तिरुपति क्षेत्र में यात्रियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, और यह एक समर्पित रेलवे प्रशासनिक व्यवस्था का हकदार है। तिरुपति क्षेत्र के राजनीतिक नेताओं, रेलवे यूनिफ़ॉम और नागरिक समाज के सदस्यों ने रेल मंत्रालय से हस्तक्षेप करने और पूरे तिरुपति ज़िले को एक ही रेलवे जोन और एक ही रेलवे डिवीजन के अंतर्गत लाने पर विचार करने का आग्रह किया है।





15% टैक्स और 85% अमेरिकी स्टील की शर्त ट्रंप के टैरिफ घटाने से भारत को कितना फायदा ?



नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियाँ)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के एपीकल्चर और मैनुफैक्चरिंग सेक्टर को बड़ी राहत दी है। ट्रंप प्रशासन ने चुनिंदा कृषि और औद्योगिक उपकरणों पर आयात शुल्क 25% से घटाकर 15% करने का एलान किया है। यह कटौती दिसंबर 2027 तक प्रभावी रहेगी। इस कदम का मुख्य उद्देश्य सस्ते आयात को बढ़ावा देने के साथ-साथ अमेरिकी स्टील और एल्युमिनियम के उपयोग को प्रोत्साहित करना है।

क्वाइट हाउस की ओर से जारी एक नए स्टेटमेंट के अनुसार, यह अस्थायी कटौती कंपनियों की लागत को कम करने और घरेलू विनिर्माण व कृषि उत्पादन को मजबूत करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। ट्रंप के इस फैसले से किसानों को सीधा फायदा होगा। साथ ही इसका असर भारत पर भी

दिखाई देगा। इस कटौती का सीधा लाभ कंवाइन हार्वेस्टर और अन्य कृषि उपकरणों को मिलेगा। क्वाइट हाउस के मुताबिक, इसका उद्देश्य किसानों को कम लागत में नई तकनीक और उपकरण खरीदने में मदद करना है।

औद्योगिक उपकरण

प्रशासन ने कम शुल्क वाले औद्योगिक उपकरणों का दायरा भी बढ़ा दिया है। अब बुलडोजर, फोर्कलिफ्ट और अन्य मोबाइल इंडस्ट्रियल मशीनरी (जो उन देशों से आयात की जाती हैं जिनके साथ अमेरिका का व्यापार समझौता है) उन पर भी 25% की जगह सिर्फ 15% टैरिफ लगेगा।अगर कोई विदेशी निर्माता अपने उपकरणों में वजन के हिसाब से कम से कम 85% अमेरिकी स्टील या एल्युमिनियम का उपयोग करता है, तो उस पर आयात शुल्क और घटाकर सिर्फ 10% कर दिया

शेयर बाजार में 'एआई' का महायुद्ध

एंश्रोपिक और ओपनएआई के मेगा आईपीओ से कैसे बदलेगी दुनिया? 10 सवालों में समझें



नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियाँ)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया अब सिर्फ तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कैपिटल मार्केट यानी शेयर बाजार का सबसे बड़ा अखाड़ा बन चुकी है। चैटजीपीटी बनाने वाली ओपनएआई और क्लॉउड चैटबॉट बनाने वाली एंश्रोपिक अब इतिहास के सबसे बड़े आईपीओ (आंश्र्भिक सार्वजनिक प्रेशकश) की रस में आमने-सामने हैं। आइए 10 आसान सवालों के जरिए समझते हैं कि एआई की यह मेगा रस निवेशकों, टेक जगत और हमारी दुनिया को कैसे बदलने वाली है।

एआई की दुनिया की दिग्गज कंपनी एंश्रोपिक ने सोमवार को गोपनीय रूप से अपने आईपीओ के लिए आवेदन कर दिया है। इसके साथ ही, ओपनएआई और एलन मस्क की रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स भी इसी साल अपना आईपीओ लाने की तैयारी में हैं। इन कंपनियों के पब्लिक होने से वॉल स्ट्रीट पर निवेश की एक बहुत बड़ी सुनामी आने की उम्मीद है। एंश्रोपिक की शुरुआत 2021 में सैन फ्रांसिस्को में हुई थी। इसके कई एंक्वैप्यूटेड डायरियो अमोदेई और उनकी टीम के चीफ रिसर्चर पहले ओपनएआई में ही काम करते थे। आज यह कंपनी दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एआई

अनिल अग्रवाल के वेदांता गुप पर ईडी का छापा 47000 करोड है नेटवर्थ, देश के सौ अमीरों में शामिल

नई दिल्ली,2 जून (एजेंसियाँ)। ईडी ने आज दिल्ली और मुंबई में दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल के वेदांता ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) से जुड़ी एक जांच के तहत यह कार्रवाई की गई।

इस कारण आज वेदांता का शेयर बीएसई पर करीब चार फीसदी की गिरावट के साथ 333.45 रुपये पर आ गया। वेदांता ग्रुप देश में सबसे बड़ा नेचुरल रिसोर्सेज कंपनी है। कंपनी जिक, चांदी, ऑयल एंड गैस, एल्युमीनियम, आयरन ओर, स्टील और कॉपर की माइनिंग करती है। इसकी सहयोगी कंपनियों में हिंदुस्तान जिक और केयन ऑयल एंड गैस शामिल है।

अनिल अग्रवाल का जन्म बिहार के एक मारवाड़ी परिवार में हुआ था और उन्हें बिहार का सबसे बड़ा रईस माना जाता है। उन्होंने 20 साल की उम्र में ही बिहार छोड़ दिया था और खाली हाथ मुंबई आ गए थे। उनके पास उस समय केवल एक टिफिन बॉक्स था। मुंबई आकर उन्होंने जमकर मेहनत की। साल 1970 में उन्होंने कबाड़ के



धंधे से अपने कारोबारी करियर की शुरुआत की। उन्होंने अपनी पहली कंपनी की स्थापना की, जिससे उन्हें अच्छी-खासी कमाई हुई।

कैसे मिली सफलता ?

साल 1976 में अग्रवाल ने शमशेर स्टर्लिंग केवल कंपनी को खरीदा। लेकिन बाद में धंधा नहीं चला तो उनके पास कर्मचारियों को सैलरी देने तक के पैसे नहीं बचे। इसके बाद अनिल अग्रवाल ने 9 अलग-अलग बिजनेस शुरू किये, लेकिन सभी फेल हो गए। उन्होंने अपने शुरुआती 20-30 साल संघर्ष में बिताए। कैंब्रिज में अपने एक संबोधन में अग्रवाल ने बताया था कि वह कई साल तक डिप्रेशन में रहे थे। वे लगातार कोशिश करते रहे लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद साल 1986 में भारत सरकार ने टेलीफोन केवल बनाने

के लिए प्राइवेट सेक्टर को मंजूरी दे दी। इससे पहले 1980 में अग्रवाल ने स्टरलाइट इंडस्ट्रीज को खरीद लिया था। साल 1990 में अग्रवाल ने कॉपर रिफाईंड का काम शुरू किया। स्टरलाइट इंडस्ट्रीज देश की पहली ऐसी प्राइवेट कंपनी थी, जो कॉपर रिफाइन करने का काम करती थी।

कितनी है नेटवर्थ ?

इसके बाद अग्रवाल लगातार सफलता की नई कहानी लिखते चले गए। वेदांता रिसोर्सेज एक नेचुरल रिसोर्सेज कंपनी है जिसकी दुनियाभर में मौजूदगी है। यह मिनरल्स, ऑयल एंड गैस को निकालती है और प्रोसेस करती है। कंपनी के करीब 64 हजार कर्मचारी और कौन्ट्रेक्टर्स हैं। मुख्य रूप से यह कंपनी भारत, अफ्रीका, आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया में है। दुनियाभर में कंपनी के प्रोडक्ट्स बिकते हैं। फोर्स के मुताबिक अनिल अग्रवाल की नेटवर्थ करीब 4.9 अरब डॉलर यानी करीब 47,000 करोड़ रुपये है और वह भारत के टॉप 100 अमीरों में शामिल हैं।

वित्त-वाणिज्य

24,000 करोड़ के निवेश पर नोएल टाटा ने जताई चिंता, बेटी करेगी कंपनी से किनारा ?



नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियाँ)। टाटा ग्रुप को एयरलाइन और डिजिटल जैसे नए बिजनेस में काफी घाटा हुआ है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने इस पर नाराजगी जताई है। इसका असर भी अब दिखने लगा है। टाटा डिजिटल में भारी फेरबदल के बीच नोएल टाटा की बेटी माया टाटा कंपनी से बाहर निकलने के विकल्प तलाश रही हैं। वह ग्रुप की लिस्टेड रिटेल कंपनी ट्रेट में जा सकती हैं।

सूत्रों के मुताबिक 37 साल की माया टाटा ग्रुप की कंपनियों ट्रेट और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी कंपनियों में विकल्प तलाश रही हैं। उनकी पहली पसंद ग्रुप की लिस्टेड रिटेल कंपनी ट्रेट है। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने टाटा डिजिटल में 24,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश किया है। इसमें बिगबास्केट, टाटा न्यू, क्रोमा और टाटा एमजी जैसे ब्रांड्स शामिल हैं। रिस्ट्रक्चरिंग के तरत टाटा न्यू में कर्मचारियों

एलपीजी की बिक्री में 24% की भारी गिरावट

पेट्रोल-डीजल की बिक्री बढ़ गई, मई में ऐसा क्या हुआ

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियाँ)। एलपीजी यानी लिक्विड पेट्रोलियम गैस की किल्लत की खबरों के बीच भारत में इसकी बिक्री घटी है। जी हां, बोते मई महीने के दौरान एलपीजी की बिक्री में 24% की भारी गिरावट आई है। हालांकि, इसी दौरान पेट्रोल की बिक्री में 4.8% जबकि डीजल की बिक्री में 6.4% की बढ़ोतरी हुई है। हवाई जहाज के ईंधन या एटीएफ की बिक्री में भी 1.8% की बढ़ोतरी हुई है।

पीएसयू तेल कंपनियों ने जारी किया सरकारी तेल कंपनियों की तरफ से जारी सेल्स आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। ये आंकड़े बीते मई के हैं और इसकी तुलना बीते साल के मई के आंकड़ों से की गई है। उल्लेखनीय है कि पेट्रोल-डीजल एवं हवाई जहाज के ईंधन के बाजार में इंडियन ऑयल , हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम की हिस्सेदारी करीब 90 फीसदी की है। यदि एलपीजी की बात करें तो इसमें तो इन तीनों कंपनियों की हिस्सेदारी करीब शत-प्रतिशत है।

अप्रैल में तो एलपीजी की बिक्री बढ़ी थी उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2026 के दौरान

आरबीआई ने सोना बेचा: तिजोरी से निकला 1.14 लाख करोड़ का सोना



नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियाँ)। मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) में जारी तनाव की आंच केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के पास रखे सोने तक पहुंच गई है। इस तनाव के कारण भारत पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों और विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों को बचाने के लिए रिजर्व बैंक ने अपने सोने के भंडार का एक हिस्सा बेच दिया है। ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स के वरिष्ठ भारत अर्थशास्त्री अभिषेक गुप्ता के अनुसार, आरबीआई ने 22 मई को समाप्त हुए दो हफ्तों के भीतर लगभग 12 अरब डॉलर (करीब 1.14 लाख करोड़ रुपये) मूल्य का सोना बेचा है। इसी अवधि के दौरान केंद्रीय बैंक ने 7.5 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां खरीदीं। हालांकि इस मामले पर अभी तक रिजर्व बैंक की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

रिपोर्ट में किए ये दावे

रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार द्वारा कीमती धातुओं पर आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बावजूद सोने के भंडार के मूल्य में यह गिरावट देखी गई। सामान्य परिस्थितियों

चांदी 2,050 बढ़कर 2.65 लाख किलो पर पहुंची

इस साल 35 हजार मंहगी हुई, सोना आज 758 बढ़कर 1.56 लाख हुआ

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियाँ)। सोने-चांदी के दाम में आज 25 सैसों की बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 758 रुपए बढ़कर 1.56 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी की कीमत 2,050 रुपए बढ़कर 2.65 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सोना इस साल 23 हजार और चांदी 35 हजार मंहगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी रही है। सोना 2026 में अब तक 23 हजार रुपए और चांदी 35 हजार रुपए मंहगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.56 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

की संख्या आधी रह गई है। माया के भाई नैविल टाटा पहले से ही ट्रेट से जुड़े हैं और वह स्टार बाजार के स्टोर्स देख रहे हैं। नोएल टाटा ट्रेट के चेयरमैन हैं। माया और नैविल की बड़ी बहन लीह इंडियन होटल्स से जुड़ी हैं जो ताज होटल चलाती है। नैविल और लीह शुरुआत से एक ही ग्रुप कंपनी से जुड़े हुए हैं जबकि माया ने टाटा डिजिटल में आने से पहले टाटा कैपिटल से अपना करियर शुरू किया था। तीनों भाई-बहन टाटा ट्रस्ट्स के तहत छोटे ट्रस्ट्स के बोर्ड में शामिल हैं। टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है। नैविल सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के बोर्ड में हैं जो दो प्रमुख चैरिटेबल ट्रस्ट्स में शामिल है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने के मुद्दे पर बात अटकी हुई है। जानकारों के मुताबिक नोएल टाटा चाहते हैं कि चंद्रशेखरन ग्रुप के पांच साल के स्ट्रेटजिक रोडमैड के बारे में स्थिति स्पष्ट करें। नोएल टाटा का कहना है कि अभी कई मुद्दे अनसुलझे हैं और इन पर आगे काम करने की जरूरत है। एयर इंडिया और बिगबास्केट जैसी कंपनियों के परफॉरमेंस के साथ-साथ गवर्नेंस के मुद्दे पर भी टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच तनातनी चल रही है।



भारत में एलपीजी की बिक्री में करीब 16 फीसदी का इजाफा हुआ था। माना जा रहा है कि उस समय ईरान-इजरायल युद्ध के आलोक में घर में रखे खाली सिलेंडरों की भी बदल कर भरे एलपीजी सिलेंडर ले रहे थे। इसलिए इसकी बिक्री बढ़ी थी।

यह इसलिए घट गया क्योंकि सप्लाई सामान्य हो गई और ग्राहकों के घर के अतिरिक्त रिसेलर पहले से भरे पड़े थे।

बल्क कस्टमर सिलेंडर हो गए ?

पीएसयू पेट्रोलियम कंपनियों बल्क कस्टमर के लिए अलग से सप्लाई की व्यवस्था करती है, लेकिन उसका रेट पेट्रोल पम्प से अलग होता है। ऐसा हो सकता है कि बढ़ती कीमतों से बचने के लिए बल्क कस्टमर्स ने पेट्रोल पम्प का रूख कर लिया।

चार दिनों की गिरावट के बाद हरे निशान पर बाजार बंद सेंसेक्स 383 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

मुंबई, 2 जून (एजेंसियाँ)।प्सेलू शेयर बाजार के प्रमुख बैचमार्क सूचकांक मंगलवार को लगातार चार दिनों की गिरावट के बाद हरे निशान पर बंद हुए। सेंसेक्स 383 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ, वहीं निफ्टी 23,450 के पार पहुंच गया। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 382.50 (0.51%) अंकों की बढ़त के साथ 74,649.84 के स्तर पर बंद हुआ, दूसरी ओर, निफ्टी 100.96 (0.43%) अंक मजबूत होकर 23,483.55 पर पहुंचने में सफल रहा। इस दौरान एचसीएल टेक में 4% और अदाणी एंटरटेनमेंट में दो प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे गिरकर 95.28 (अस्थायी) पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सत्र में बाजार ने शुरुआती नुकसान से उबरते हुए मजबूत वापसी की। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 382.50 अंक यानी 0.52 प्रतिशत चढ़कर 74,649.84 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 73,815.12 के निचले स्तर तक फिसल गया था, लेकिन वहां से इसने 1,047.07 अंकों की जबरदस्त छलांग लगाई। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 100.95 अंक या 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,483.55 पर बंद

होने में सफल रहा। इससे पहले सोमवार को सेंसेक्स 508.40 अंक और निफ्टी 165.15 अंक गिरकर बंद हुए थे। बाजार की इस रिकवरी के पीछे सबसे बड़ा हाथ आईटी सेक्टर का रहा। बीएसई का आईटी इंडेक्स 4.40 प्रतिशत की भारी बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में कांसस्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में सबसे ज्यादा 6.53 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। इसके अलावा इन्फोसिस में 5.66 प्रतिशत, एचसीएल टेक में 4.08 प्रतिशत और टेक महिंद्रा में 1.76 प्रतिशत की तेजी आई। आईटी कंपनियों के अलावा अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, इटरनल, एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी लाभ में रहे, जबकि एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट देखी गई। विश्लेषकों का मानना है कि आईटी शेयरों में यह तेजी अमेरिकी टेक कंपनियों के मजबूत नतीजों और सकारात्मक अनुमानों का परिणाम है। लिवलॉग वेल्थ के रिसर्च एनालिस्ट और संस्थापक हरिप्रसाद के. के. अनुसार, अमेरिकी कंपनियों के प्रदर्शन ने यह भरोसा जगाया है कि आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद एआई, क्लाउड और एंटरप्राइज तकनीक पर वैश्विक खर्च मजबूत बना हुआ है।

दैनिक पंचांग	
गृह गोचर	श्री रौद्र /भी दुर्नरी नामके संवत्सरे-विक्रम संन्त्- 2083 शक संवत्- 1948 , सूर्य उत्तराषण /इस्त्र , ऋतु- ग्रीष्म महावीर निर्वाण संन्त्- 2551 , राजा गुरु, मन्त्री भीम कलिगुग अवधि - 432000 भोग्य कलि वर्ष, - 426873 कलिगुग संवत् - 5127 वर्ष, कल्पाभरं संवत् - 1972949127 सृष्टि महारभं संवत् - 1955885127 दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकते मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष बुधवार 03 जून 2026 तिथि - तृतीया 21-21 तक उपरान्त चतुर्थी नवहन - पूर्वाषाढा 00-59 तक उप उत्तराषाढ़ा योग. - शुभ 08-12 तक उप शुक्ल कल्पा - वणिज 08-12 तक उप विष्टी (भद्रा) अधिक ज्येष्ठ मास चतुर्थी त्रत विशेष:- भद्रकाल 08-13 से चन्द्रोदय 22-21
गृह स्थिति	राहुकाल
सूर्य दृष्टि से दृष्टि - 04-34 बजे धनु मे मिथुन - 06-34 बजे मंगल मे मिथुन - 08-42 बजे मंगल मे मिथुन - 10-56 बजे शुभ मिथुन मे कुम्भा - 13-05 बजे शुभ मिथुन मे कुम्भा - 15-10 बजे शुभ कर्क मे बृश्चिक - 17-21 बजे शुभ मिथुन मे मकर - 19-34 बजे शनि मीन मे मकर - 21-40 बजे राहु कुम्भ मे मकर - 23-08 बजे शनि सिंह मे कुम्भ - 02-45 बजे	है।सूक्ष्म फलान्देव के लिए जन्म फलिका हमें दिखावे य पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशानन्ददा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।
पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710	दिन का चौघडिया
लाभ 05-44 - 07-20 शुभ अमृत 07-20 - 08-58 शुभ काल 08-58 - 10-36 अशुभ शुभ 10-36 - 12-14 शुभ रोग 12-14 - 13-52 अशुभ उत्पत्त 13-52 - 15-31 अशुभ चंचल 15-31 - 17-09 शुभ लाभ 17-09 - 18-43 शुभ	रात का चौघडिया
	उत्पत्त 18-43 - 20-09 अशुभ शुभ 20-09 - 21-31 शुभ अमृत 21-31 - 22-52 शुभ चंचल 22-52 - 00-14 शुभ रोग 00-14 - 01-36 अशुभ काल 01-36 - 02-58 अशुभ लाभ 02-58 - 04-20 शुभ उत्पत्त 04-20 - 05-44 अशुभ

आपका राशिफल	
मे़ष चू,चे, चो,ला,ली, लू, ले,लो, अ,	आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजों को रखते हैं। दूसरे इस तरह नहीं हैं लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे। इस पानना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे हैं।
वृ़ष ई, उ,ए,जो,वा,वी, वू,वे,वो,	आज आपका मन अटकलों और अनावक्यक चीजों को और भागो , परन्तु फिर भी आपको केंद्रित रहने की क्षमता काफी मजबूत रहेगी। आप कम से कम समय में अधिक से अधिक काम खत्म करने के क्रम में घर पर या अपने क्वालिटर डेस्क पर रहे , हालांकि घर पर काम करने में अधिक समय, ऊर्जा और पैसे का हास होगा। आप कुछ सामान या खाद्य सामग्री भंडार सकते हैं या कुछ ऑनलाइन खरीदारी भी कर सकते हैं।
मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, कां, ह,	आज आपको महसूस होगा की अपनी नैकरी में आपको वह सुनौदर नहीं मिली जो आप चाहते थे और आज आप अपनी नैकरी छोड़ने के लिए अंतिम कार्रवाई पर उठा सकते हैं, हालांकि यह एक बुरा बात नहीं है क्योंकि वहतु जल्द ही घर से सुनारे अस्सर आपके पास आ सकते हैं और आप जो चाहते थे, वो हो सकता है। हालांकि प्राथमिक वेतन कम हो सकता है, लेकिन वही आपको प्रसन्नता मिलेगी।
कर्क ही,हू,हूं, हो, डा , डी, डू, डे, डो,	आज आपको अत्यन्तित लाभ मिल सकता है। आप हमेशा अपने धन को लेकर उत्तदाय्य और निम्नेदार रहे हैं पर ये समय अपने आप को थोड़ी खुशिया देने का समय है। आप अपने लिए कुछ उफ़हार ले सकते हैं जो की काफी हद तक आपको तनाव व मुक्ति दिलाने में सहायक होगा। आप दूसरी का कार्को ध्यान रखते हैं पर आज अपने लिए कुछ समय निकालकर अपने ऊपर कुछ खर्च करें।
सिंह मा, मी,मू,मे,मो, टा,टी,टू,टे,	आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से सम्पर्न मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पर्सनलित या बेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सही उद्यम करें। इसके बारे में बात करते से बचे। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें। आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा।
कन्या टो पा पी पुष ण ठ पे पो	आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देते। ये आपकी वित्तीय वस्तुते के लिए काफी सोचनमय है , लेकिन यह कार्यालय में स्थ्य को भी नम्य देता। आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पूरने की तात् प्रकृत आपके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुष्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है क्योंकि ये व्त्तों को इनके सहकर्मों की कार्यर के विपरीत कार्य कर सकते हैं जो की आपके कार्यर के लिए हानिकारक है।
तुला रा,री,रू,रे,रो, ता,ती,तू,ते,	आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा। कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपकी कार्यर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेलगी। आय में भी वृद्धि की संभावना है।
वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी,यू,	चूनाैतीपूर्ण समय खत्म हो गया है। आपने सफलतापूर्वक बाधाओं को पार कर लिया है, जो की भाष्य ने आप पर फेके थे, इसलिए ये बहुत आवश्यक है की आप अपने को शांत बनाए रखे। इसके अलावा, आप आराम करने की मुद्रा में आ सकते हैं, क्योंकि कार्य का दबाव आपके कार्यक्षमल पर काफी कम हो गया है।
धनु ये,यो,भा,भी,भू धा,फा,हा,भे	आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ प्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपको परेशानिया बढ़ा रहे है। आज इसका हल आपको नजर आ सकता है। आप इस विचार पर आडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे। अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा।
कुंभ गु, ने,गो, सा, सी,सु, से, सो, दा,	आज एक नई नैकरी को प्रेशकश आपके गस्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है। आप अपनी नैकरी बदलने के बारे में नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नैकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नैकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी। यह एक जोखिम भरा कदम हो सकता है, लेकिन आगे बढ़ने में ये कदम काफी कारगर साबित होगा।
मीन दी,दू,ध,झ,ज,दे, दो,चा,ची	एक मौलिक के रूप में, अपने अधीनस्थों के लिए आपमें एक दिल है। उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पाटी का आयोजन भी कर सकते हैं। ये इसके लिए आप का आदर करेगे। आप एक बड़ी परियोजना के लिए उन्हें प्रेरित भी करते रहे।
श्री पंचांगुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापूर	



अफीम लाइसेंस नीति की बैठक में हंगामा

सांसद सीपी जोशी ने नारकोटिक्स इंस्पेक्टर पर लगाए 1.04 करोड़ रुपये लेने के आरोप

कोटा, 2 जून (एजेंसियाँ)। राजस्थान के कोटा में अफीम खेती लाइसेंस नीति को लेकर आयोजित बैठक के दौरान उस समय माहौल गरमा गया, जब सी.पी. जोशी ने केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के एक इंस्पेक्टर पर गंभीर आरोप लगाए। कोटा के झालावाड़ रोड स्थित एक होटल में फसल वर्ष 2026-27 की अफीम खेती लाइसेंस नीति के निर्धारण के लिए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जा रही थी। बैठक के दौरान चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने आरोप लगाया कि एक नारकोटिक्स



इंस्पेक्टर ने प्रतापगढ़ जिले के एक किसान से कथित तौर पर 1.04 करोड़ रुपये लिए हैं। आरोप सामने आते ही बैठक में मौजूद लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। सांसद ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ

सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में अफीम खेती के लाइसेंस, उत्पादन, किसानों की समस्याओं और आगामी नीति निर्धारण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। किसानों के प्रतिनिधियों ने भी अपनी समस्याएं और सुझाव समिति के समक्ष रखे। फिलहाल आरोपों को लेकर आधिकारिक जांच या पुष्टि की जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे मामलों में आरोपों की सत्यता का निर्धारण जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही किया जाएगा।

बेनीवाल की बयानबाजी पर कैलाश चौधरी की दो टूक बोले-

राजनीति में भाषा की मर्यादा जरूरी

जयपुर, 2 जून (एजेंसियाँ)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने प्रदेश में चल रही राजनीतिक बयानबाजी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी प्रमुख हनुमान बेनीवाल द्वारा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर प्रतिक्रिया दी है। अमर उजाला से बातचीत में उन्होंने कहा कि राजस्थान की राजनीति हमेशा शालीन और मर्यादित रही है तथा ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए जिससे किसी की भावनाएं आहत हों। कैलाश चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी बात रखने और विरोध करने का पूरा अधिकार है लेकिन सार्वजनिक जीवन में शब्दों की मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है। उनका कहना था कि राजनीतिक नेताओं का आचरण और भाषा समाज पर

प्रभाव डालती है, जो लोग नेताओं का अनुसरण करते हैं, वे भी उसी प्रकार की भाषा और व्यवहार को अपनाने लगते हैं। इसलिए राजनीतिक संवाद में संयम और गरिमा बनाए रखना जरूरी है। हनुमान बेनीवाल के उस बयान पर जिसमें उन्होंने राजस्थान से भाजपा का सुपड़ा साफ होने और पार्टी के तीसरे नंबर पर पहुंचने की बात कही थी, कैलाश चौधरी ने कहा कि भाजपा आज देश की सबसे मजबूत राजनीतिक शक्ति है। राजस्थान में भाजपा की सरकार है, केंद्र में भाजपा की



सरकार है और देश के अधिकांश राज्यों में पार्टी का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में भी भाजपा लगातार अपना

जनाधार मजबूत कर रही है। ऐसे में राजस्थान से भाजपा को हटना असंभव है। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व पर भरोसा जता रही है। संतों के आंदोलनों और गौसेवा से जुड़े मुद्दों पर भी कैलाश चौधरी ने भाजपा का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि संतों का सम्मान भाजपा की प्राथमिकताओं में शामिल है और पार्टी ने हमेशा

सनातन परंपरा, गौसेवा और संत सेवा को आगे बढ़ाने का काम किया है। जैसलमेर में गांवों की मौत और भैराणा धाम में संतों के आंदोलन के संबंध में उन्होंने कहा कि सरकार पूरे मामले पर नजर रखे हुए है तथा जांच कराई जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि गांवों और संतों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। कैलाश चौधरी ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में किसानों के लिए एक विशेष कार्यशाला आयोजित करेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को जैविक खेती का प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उन्हें प्रशिक्षक के रूप में विकसित किया जाएगा। पहले चरण में चार हजार किसानों को ट्रेनर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मंडोर गार्डन हादसे पर अशोक गहलोत की कड़ी प्रतिक्रिया

कहा-जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई हो

जोधपुर, 2 जून (एजेंसियाँ)। जोधपुर शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल मंडोर गार्डन में टॉय ट्रेन की सवारी के दौरान 5 वर्षीय मासूम बच्ची अनायरा की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में चचेरी बहन मुस्कान भी गंभीर रूप से घायल हुई। इस पर कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। अशोक गहलोत ने कहाकि जोधपुर विकास प्राधिकरण को इस हादसे के जिम्मेदारों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट X पर अपनी प्रतिक्रिया लिखते हुए कहा कि जोधपुर के मंडोर उद्यान में टॉय ट्रेन के दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में 5 वर्षीय मासूम बच्ची अनायरा की मृत्यु होना बेहद दुखद है। जोधपुर विकास प्राधिकरण को इस हादसे के जिम्मेदारों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और ऐसी एसओपी बनानी चाहिए ताकि इस प्रकार के हादसों की पुनरावृत्ति न हो साथ बच्चों की सुरक्षा के लिए सभी माकूल



प्रबंध इस ट्रेन में करें। बच्ची के माता पिता के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर उन्हें इस वज्रपात को सहने की शक्ति प्रदान करें। यह दर्दनाक हादसा जोधपुर शहर के मशहूर पर्यटन स्थल मंडोर गार्डन हुआ। जानकारों के अनुसार, बरकत साहब की हवेली बंबा स्कूल क्षेत्र निवासी मोहम्मद हबीब 31 मई की शाम अपने परिवार के साथ मंडोर गार्डन घूमने गए थे। उनके साथ पत्नी अफसाना, बेटी अनायरा (5 वर्ष), भाभी शहनाज और भतीजी मुस्कान (20 वर्ष) भी थीं।

मोहम्मद हबीब का परिवार टॉय ट्रेन पर बैठा पर कुछ ही मिनटों में यह सफर दर्दनाक हादसे में तब्दील हो गया। परिजनों के अनुसार, शाम छह बजे टॉय ट्रेन मंडोर स्थित काला-गोरा भैरुजी मंदिर क्षेत्र के पास पहुंची थी। उसी वक्त चालक ने अचानक तेज ब्रेक लगा दिए। झटका लगने से ट्रेन में बैठी अनायरा का संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गई। अनायरा ट्रेन के नीचे आ गई और ट्रेन का पहिया बच्ची की गर्दन के ऊपर से गुजर गया। बच्ची को बचाने के प्रयास में चचेरी बहन मुस्कान भी नीचे गिरकर घायल हो गई। घटना के बाद दोनों को तुरंत जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने अनायरा को मृत घोषित कर दिया। वहीं मुस्कान का उपचार जारी है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मंडोर थानाधिकारी शेषकरण ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर टॉय ट्रेन संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

आंधी-तूफान का कहर: दो मासूमों और वेटरनरी डॉक्टर समेत तीन की मौत; टीनशेड उड़े, दीवारें ढहीं

बाड़मेर, 2 जून (एजेंसियाँ)। बाड़मेर जिले में सोमवार रात मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। तेज आंधी, तूफान और मूसलाधार बारिश ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भारी तबाही मचा दी। इसके चलते कहीं कच्चे मकानों की दीवारें ढह गईं तो कहीं टीनशेड और लोहे की चादरें उड़ गईं। इस प्राकृतिक आपदा में दो बच्चों और एक वेटरनरी डॉक्टर की मौत हो गई, जबकि अलग-अलग हादसों में कई लोग घायल हुए हैं। प्रशासन नुकसान का आकलन करने में जुटा हुआ है। बोला ग्राम पंचायत के सचिवनराम में देर रात आए तेज तूफान के कारण टीनशेड से बने एक कमरे की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे में आठ वर्षीय खगेंद्र पुत्र शेराराम मलबे के नीचे दब गया। परिजन और ग्रामीण उसे तुरंत बाहर निकालकर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसी गांव में एक अन्य हादसे में तीन वर्षीय खुमानाराम पुत्र चनणाराम की कमरे की दीवार गिरने से मलबे में दब गया और उसकी भी मौत हो



गई। दोनों मासूमों की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। रामसर उपखंड के कंटल का पार पाबूसरिया गांव में भी तूफान ने भारी नुकसान पहुंचाया। तेज हवाओं के चलते एक टीनशेड कमरा ढह गया, जिसमें पिता और पुत्र मलबे में दब गए। वहीं, दूसरे घर में जान बचाने के लिए बाहर निकल रही एक महिला के सिर पर लोहे की एंगल गिर गई। ग्रामीणों और परिजनों ने तत्काल राहत कार्य करते हुए घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए बाड़मेर रेफर किया गया। इसी क्षेत्र में टीनशेड गिरने से दो अन्य युवक भी घायल हो गए। गुडीसर क्षेत्र में भी आंधी-तूफान का असर देखने को मिला। सरपंच के अनुसार, तेज हवाओं

से उड़कर गिरे टीनशेड की चपेट में आने से गंगाराम और नरपत घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक घायल का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। इधर, मंगलवार सुबह रीको थाना क्षेत्र के बलदेव नगर में एक और दुखद घटना सामने आई। पशु चिकित्सा अधिकारी चताराराम अपने प्लॉट पर चारदीवारी निर्माण कार्य का निरीक्षण कर रहे थे। रात के तूफान के दौरान टूटकर गिरी विद्युत लाइन की चपेट में आने से वे गंभीर रूप से झुलस गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाड़मेर तहसीलदार हुकुमचंद ने बताया कि आंधी-तूफान से हुए नुकसान का सफा करवाया जा रहा है। विभिन्न विभागों की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का आकलन कर रही हैं। विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को भेजी जाएगी। वहीं, पुलिस ने सभी मामलों में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

एसीबी का बड़ा एक्शन: आठ हजार की रिश्तत लेते पटवारी रंगे हाथों धराया सीमांकन के बदले मांगी थी घूस



पाली, 2 जून (एजेंसियाँ)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की पाली प्रथम इकाई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बाली उपखंड क्षेत्र में तैनात एक पटवारी को रिश्तत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी पटवारी पर कृषि भूमि के सीमांकन (नाप-जोख) के बदले परिवारी से रिश्तत मांगने का आरोप है। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, बाली उपखंड के लाटाड़ा गांव में पदस्थ पटवारी विराम धीर ने एक किसान से उसकी कृषि भूमि का सीमांकन करने की एवज में अवैध राशि की मांग की थी। आरोप है कि रिश्तत नहीं मिलने पर पटवारी लगातार

काम को लंबित रखे हुए था। इससे परेशान होकर परिवारी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, पाली में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन किया, जिसमें आरोप सही पाए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र डुकिरा के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया। जैसे ही परिवारी ने आरोपी पटवारी को आठ हजार रुपये की रिश्तत दी, एसीबी टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान रिश्तत की राशि भी बरामद कर ली गई। गिरफ्तारी के बाद एसीबी आरोपी से पूछताछ कर रही है। साथ ही उसके आवास और अन्य संभावित ठिकानों की जांच भी की जा रही है। एसीबी अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और भ्रष्टाचार से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

सरकारी स्कूल के आंगनबाड़ी केंद्र में फैला मिला खून इलाके में हड़कंप

अलवर, 2 जून (एजेंसियाँ)। राजस्थान के अलवर में मंगलवार सुबह एक सरकारी स्कूल परिसर में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र में चारों तरफ खून फैला मिलने से सनसनी फैल गई। फर्श से लेकर दीवारों तक पर खून के खौफनाक धब्बे और पैरों के निशान मिले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई है। अलवर में सरकारी स्कूल परिसर में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र में खून फैला मिलने से सनसनी फैल गई। यह मामला अरावली विहार थाना इलाके के रूपवास स्थित सरकारी स्कूल का है। रोजाना की तरह मंगलवार सुबह जब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और कुछ लाभार्थी बच्चे केंद्र पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। आंगनबाड़ी के कमरों के बाहर परिसर के फर्श पर खून बिखरा हुआ था। सिर्फ फर्स ही नहीं, बल्कि वहां की दीवारों पर भी खून के छीटे और धब्बे साफ दिखाई दे रहे थे। इसके अलावा पूरे परिसर में नंगे पैरों और जूते-चप्पलों के खून से सने निशान भी मिले हैं, जिससे



साफ अंदाजा लगाया जा रहा है कि रात के वक्त यहां कोई बड़ी घटना हुई थी। आंगनबाड़ी स्टाफ ने तुरंत इस घटना की जानकारी स्कूल प्रशासन और अरावली विहार थाना पुलिस को दी। स्कूल के भीतर खून मिलने की खबर ने स्थानीय लोगों डर का माहौल पैदा कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में पुलिस को मामला संदिग्ध लगा, जिसके बाद तुरंत फोरेंसिक (एफएएल) टीम को मौके पर बुलाया गया। फोरेंसिक एक्सपर्ट्स ने आंगनबाड़ी केंद्र में दीवारों और फर्श पर फैले खून के नमूने (ब्लड सैंपल) इकट्ठा किए हैं। इसके साथ ही वहां मिले पैरों और जूतों के निशानों के प्रिंट भी लिए गए हैं। पुलिस और स्थानीय लोगों के मन में अभी सबसे बड़ा सवाल

यही है कि आखिर यह खून किसका है? क्या रात के समय यहां किसी के साथ गंभीर मारपीट हुई है या फिर के साथ कोई वारदात? जानकारी के अनुसार स्कूल परिसर के ठीक पीछे जंगल का क्षेत्र भी है। आशंका जताई जा रही है कि इसी सूनेपन का फायदा उठाकर यहां किसी बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया हो। फिलहाल पुलिस आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है और इलाके के अस्पतालों से भी संपर्क कर रही है ताकि पता चल सके कि कोई घायल शख्स वहां इलाज के लिए तो नहीं आया। इस मामले में एफएएल रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा कि यह खून किसी इंसान का है या जानवर का और घटना की सच्चाई क्या है।

शाहाबाद में भीषण सड़क हादसा, हाईवे पर पलटी स्लीपर बस, मासूम समेत 3 की मौत; एक दर्जन से ज्यादा घायल

बारां, 2 जून (एजेंसियाँ)। जिले के शाहाबाद क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर मंगलवार तड़के कोटा से कानपुर जा रही यात्रियों से भरी एक स्लीपर बस अनियंत्रित होकर फरेदुआ तलहटी गांव के पास हाईवे पर पलट गई। हादसे में एक मासूम बालिका सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ, जब अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। इसी दौरान फरेदुआ तलहटी गांव के पास बस चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और बस अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि

बस के पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन और एम्बुलेंस की टीमों मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकालकर शाहाबाद राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार कुछ यात्रियों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बारां जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दे दी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

24 लाख 84 हजार रुपये के नकली नोटों के साथ पुलिस ने चार को दबोचा

जयपुर, 2 जून (एजेंसियाँ)। राजस्थान में दौसा जिले की पुलिस ने नकली नोट छापने और सप्लाय करने वाले गिरोह के सरगना सहित चार लोगों को दबोचा है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। आरोपितों के पास से 24 लाख 84 हजार रुपये के नकली नोट बरामद किए गए हैं। बरामद किए गए सभी नोट 500-500 के थे। पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने बताया कि हरियाणा के फरीदाबाद से संतोष सिंह एवं विशाल उपाध्याय आरोपितों को पकड़ा गया है। संतोष मूल रूप से अलीगढ़ का निवासी है,

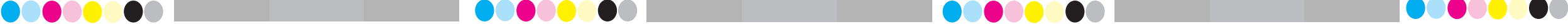
लेकिन वर्तमान में फरीदाबाद में रहता है। वहां विशाल झारखंड का मूल निवासी है, लेकिन पिछले कुछ सालों से उत्तर प्रदेश के नोएडा में रहता है। जबकि एक आरोपित आयुष कुमार मीणा को 28 मई के दिन दौसा से गिरफ्तार किया था। नाबालिग को भी दौसा से ही डिटेन किया गया था। दोनों ने पूछताछ में नकली नोट छापने एवं आपूर्ति करने के गिरोह के सरगना संतोष सिंह और विशाल के बारे में बताया था। इन सभी को दौसा जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया। जहां से एक सप्ताह के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

नकली खाद बनाने का बड़ा भंडाफोड़

अवैध गोदाम सीज; संचालक के खिलाफ मामला दर्ज

जयपुर, 2 जून (एजेंसियाँ)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में नकली खाद बनाने और उसके भंडारण से जुड़े एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। कृषि विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक अवैध गोदाम पर छापा मारा, जहां बड़ी मात्रा में संदिग्ध उर्वरक और खाद निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की गई। जांच के बाद गोदाम को सीज कर दिया गया है। कृषि विभाग की जांच के दौरान गोदाम से बड़ी मात्रा में संदिग्ध उर्वरक, औद्योगिक नमक, दानेदार कच्चा पदार्थ तथा अन्य सामग्री बरामद हुई। अधिकारियों को आशंका है कि इन पदार्थों का उपयोग नकली खाद तैयार करने के लिए

किया जा रहा था। मौके पर मिले सामान और प्रारंभिक जांच के आधार पर विभाग ने गोदाम को सील कर दिया। अधिकारियों ने बरामद सामग्री के नमूने जांच के लिए भेज दिए हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वहां तैयार जा संग्रहित किए जा रहे उत्पाद निर्धारित मानकों के अनुरूप थे या नहीं। नकली खाद और उर्वरकों का उपयोग किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे उत्पादन प्रभावित होने के साथ-साथ किसानों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कृषि विभाग ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई कर रहा है।



चार ग्रैंड स्लैम जीत चुकी आओमी ओसाका ने कहा कि सेरेना वी वापसी से लोग टेनिस देखने आएंगे। उन्होंने कहा कि वह उनका पहला मैच जरूर देखेंगी। ओसाका ने कहा कि सेरेना और वीनस विलियम्स उनके बचपन की रोल मॉडल रही हैं और उन्हें फिर कोर्ट पर देखना खास होगा।

सीएस ने जिला कलेक्टरों को 4 जून से ग्राम और वार्ड सभाएं आयोजित करने का निर्देश दिया है

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के, रामकृष्ण राव ने मंगलवार को जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की और पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता पहलों के साथ-साथ 99 दिवसीय प्रजा पालन प्रगति प्रणालिका के संचालन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। जिला कलेक्टरों की समीक्षा की। जिला कलेक्टरों को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव ने सूचित किया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुसार, सभी गांवों और शहरी वार्डों में 4, 6, 8 और 10 जून को ग्राम सभाएं और वार्ड सभाएं आयोजित की जानी चाहिए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन सार्वजनिक बैठकों का उपयोग शासन, विकास और सार्वजनिक भागीदारी से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार किए जा रहे विशेष गहन



पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में जागरूकता पैदा करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि नागरिकों को मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया और मतदाता सूची अद्यतन गतिविधियों में भागीदारी के महत्व के बारे में पर्याप्त रूप से सूचित किया जाए। रामकृष्ण राव ने कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे ग्राम सभाओं और वार्ड सभाओं का उपयोग फसल विविधीकरण के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए करें, जिससे किसानों को टिकाऊ और लाभकारी कृषि

पद्धतियों को अपनाने में मदद मिल सके।

उन्होंने कहा कि मानसून से निपटने की तैयारियों के उपायों के बारे में भी जागरूकता पैदा की जानी चाहिए, जिसमें बारिश के मौसम से पहले और उसके दौरान बरती जाने वाली सावधानियां शामिल हैं।

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए, मुख्य सचिव ने अधिकारियों को जल संचय की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने वृक्षारोपण गतिविधियों को बढ़ावा देने और टोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के बारे में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर भी बल दिया, साथ ही समुदायों को स्वच्छता और पर्यावरण स्थिरता बनाए रखने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि ग्राम सभाओं और वार्ड सभाओं के माध्यम से प्रस्तावित गतिविधियां 99 दिवसीय प्रजा पालन प्रगति प्रणालिका पहले के तहत पहले से ही कार्यान्वित किए जा रहे

विषयगत सप्ताह कार्यक्रमों के अतिरिक्त हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावी जनसंपर्क और अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागीय प्रयासों में समन्वय स्थापित किया जाए।

सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए, रामकृष्ण राव ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे ग्राम सभाओं और वार्ड सभाओं के संचालन में जन प्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों, सामुदायिक नेताओं और अन्य हितधारकों को सक्रिय रूप से शामिल करें ताकि सरकारी कार्यक्रम सटीक, सामुदायिक नेताओं और

अन्य हितधारकों को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद, संतोषनगर पुलिस ने मामले की जांच की और आरोप दायर किए, जिसके परिणामस्वरूप दोष सिद्ध हुआ। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने इस मामले में दोष सिद्ध करने के लिए जांच अधिकारियों, अभियोजकों और सहायक कर्मचारियों की सराहना की।

यौन उत्पीड़न के आरोप में 20 साल की सजा

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बाल अपराधों के लिए गठित एक विशेष न्यायालय ने एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप में 70 वर्षीय व्यक्ति को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

पीओसीएसओ मामलों के बारहवें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने गुलशन इकबाल कॉलोनी के निवासी मोहम्मद जमीरउद्दीन को दोषी ठहराने के साथ-साथ 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया और जुर्माना न भरने की स्थिति में छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई। यह मामला मई 2023 का है, जब जमीरउद्दीन ने एक नाबालिग लड़की को अपनी स्टेशनरी की दुकान में बहला-फुसलाकर बुलाया और उसके साथ यौन उत्पीड़न किया।

पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद, संतोषनगर पुलिस ने मामले की जांच की और आरोप दायर किए, जिसके परिणामस्वरूप दोष सिद्ध हुआ। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने इस मामले में दोष सिद्ध करने के लिए जांच अधिकारियों, अभियोजकों और सहायक कर्मचारियों की सराहना की।

तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए नए जन आंदोलन की जरूरत : केटीआर

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर तेलंगाना को पीछे धकेलने का आरोप लगाते हुए राज्य के हितों की रक्षा के लिए नए जन आंदोलन की तैयारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बीआरएस के एक दशक के शासनकाल में हासिल उपलब्धियों को कमजोर कर रही है और राज्य की प्रगति को बाधित कर रही है। तेलंगाना भवन में आयोजित राज्य स्थापना दिवस समारोह में रामाराव ने तेलंगाना आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, तेलंगाना तल्ली और प्रोफेसर के. जयशंकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया तथा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर तेलंगाना के लोक कलाकारों को भी सम्मानित किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में 14 वर्षों के संघर्ष और हजारों कार्यकर्ताओं के त्याग से तेलंगाना राज्य का गठन संभव हुआ। उन्होंने कहा कि केसीआर ने लोगों को एकजुट कर अलग



राज्य आंदोलन को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाया। रामाराव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपने प्रमुख चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को रेतु भरोसा योजना का लाभ समय पर नहीं मिल रहा है, जबकि कृषि, सिंचाई और फसल खरीद से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार असफल साबित हुई है। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन आयोग लागू न किए जाने और बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में विफलता का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है और भ्रष्टाचार के कारण

निवेशक राज्य से दूर हो रहे हैं। उनके अनुसार किसान, बेरोजगार युवा, सरकारी कर्मचारी और पेंशनभोगी सरकार की नीतियों से असंतुष्ट हैं तथा विभिन्न वर्ग लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बीआरएस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी सत्ता के लिए नहीं, बल्कि तेलंगाना के भविष्य और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से राज्य की पहचान और जनता के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। समारोह में राज्य भर से वरिष्ठ बीआरएस नेताओं, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

खरीफ से पहले रेतु भरोसा सहायता पर संशय, वित्तीय दबाव में सरकार

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में खरीफ (बावकलम) सीजन शुरू होने से पहले किसानों को रेतु भरोसा योजना के तहत वित्तीय सहायता मिलने की संभावना



कम नजर आ रही है। राज्य की वित्तीय स्थिति पर बढ़ते दबाव के बीच कांग्रेस सरकार की इस प्रमुख किसान कल्याण योजना को समय पर लागू करने की क्षमता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को मानसून तैयारियों और कृषि गतिविधियों की समीक्षा के लिए मैथिल बैठक की, लेकिन उसमें रेतु भरोसा योजना का कोई उल्लेख नहीं किया गया। अधिकारियों के अनुसार खरीफ सीजन से पहले किसानों को सहायता राशि वितरित करने के लिए लगभग 9,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता है, जिसे तत्काल जुटाना सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। वर्ष 2026-27 के बजट में इस योजना के लिए 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में रेतु भरोसा योजना के भुगतान में लगातार देरी और आंशिक वितरण का सिलसिला देखने को मिला है। पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार फसल सीजन की शुरूआत में किसानों के खातों में सीधे सहायता राशि भेजती थी, जबकि वर्तमान सरकार पूर्व निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार भुगतान करने में सफल नहीं रही है। वर्ष 2024-25 के खरीफ सीजन में वित्तीय सहायता पूरी तरह रोक दी गई थी, जबकि बाद के यासांगी सीजन में केवल सीमित किसानों को लगभग 4,000 करोड़ रुपये वितरित किए गए। वर्ष 2025-26 में भी खरीफ के दौरान करीब 9,000 करोड़ रुपये चरणबद्ध तरीके से जारी किए गए, जबकि यासांगी सीजन में लगभग 6,000 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया।

अधिकारियों ने देरी का मुख्य कारण राज्य की तंग वित्तीय स्थिति को बताया है। अप्रैल 2026 में राज्य को कर राजस्व के रूप में 10,974 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जबकि उसी अवधि में 11,413 करोड़ रुपये का ऋण लेना पड़ा। ऐसे में रेतु भरोसा योजना के लिए अतिरिक्त 9,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था करना सरकार के लिए कठिन माना जा रहा है। खरीफ सीजन की तैयारियों में जुटे किसानों के बीच योजना को लेकर किसी स्पष्ट घोषणा के अभाव ने अनिश्चितता बढ़ा दी है।

डीजल लोको शेड में दिन हार्ट मेडिटेशन सत्र आयोजित

110 से अधिक रेलकर्मियों ने लिया भाग



हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल के अंतर्गत मोलाली स्थित डीजल लोको शेड में सोमवार को कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'दिन हार्ट मेडिटेशन' सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 110 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डीजल शेड) सुनील कुमार की उपस्थिति में हुई। ध्यान सत्र में प्रतिभागियों को दिन हार्ट मेडिटेशन के महत्व और इसके सकारात्मक प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। यह ध्यान पद्धति ग्रैंड मास्टर चोआ कोक सुई द्वारा विकसित की गई है, जिसका उद्देश्य मानसिक शांति, प्रेम, करुणा और वैश्विक सद्भाव को बढ़ावा देना है। सत्र के दौरान अभ्यासकर्ताओं ने बताया कि ध्यान प्रक्रिया में हृदय और सहस्रार चक्र को सक्रिय कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया जाता है, जिससे तनाव, नकारात्मक भावनाओं और मानसिक दबाव को कम करने में सहायता मिलती है। साथ ही यह अभ्यास एकाग्रता, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक दृढ़ता को बढ़ाने में भी सहायक माना जाता है। ध्यान सत्र के बाद कई कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें तत्काल मानसिक शांति, सुकून और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ। प्रतिभागियों ने इस अभ्यास को नियमित रूप से अपनाने में भी रुचि दिखाई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस प्रकार के कार्यक्रम कर्मचारियों के समग्र कल्याण और स्वस्थ कार्य संस्कृति के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सत्र की सफलता के बाद कर्मचारियों में ध्यान एवं योग आधारित गतिविधियों के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। रेलवे प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे कल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई है।

शहीद स्मारक की उपेक्षा तेलंगाना के बलिदानियों का अपमान : शंभीपुर राजू



हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी एवं मेडचल-मलकाजगिरि जिला अध्यक्ष शंभीपुर राजू ने तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर टुंडीगल स्थित तेलंगाना शहीद स्मारक की कथित उपेक्षा को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की है। उन्होंने इसे तेलंगाना आंदोलन के शहीदों के बलिदान का अपमान बताया। तेलंगाना स्थापना दिवस पर शंभीपुर राजू ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शहीद स्मारक पहुंचकर उसकी सफाई की और

शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में बनाए गए स्मारक की अनदेखी सरकार की उदासीनता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर भी अधिकारियों द्वारा स्मारक की देखभाल न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उनके अनुसार यह तेलंगाना राज्य के गठन के लिए किए गए संघर्ष और बलिदानों के इतिहास के प्रति असंवेदनशीलता का परिचायक है। बीआरएस नेता ने कांग्रेस सरकार की तेलंगाना की विरासत और इतिहास के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने राज्य सरकार से तेलंगाना आंदोलन के शहीदों के स्मारकों की सुरक्षा, रखरखाव और संरक्षण के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की। शंभीपुर राजू ने कहा कि तेलंगाना के शहीदों के बलिदान का सम्मान करना प्रत्येक सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि जो सरकारें शहीदों के योगदान की उपेक्षा करेंगी, इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।

तेज रफ्तार लॉरी ने खड़ी ट्रक में मारी टक्कर, दो की मौत, दो गंभीर

सिद्दिपेट, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट-वारांगल मार्ग पर मिट्टापल्ली के पास मंगलवार को हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, एक ही परिवार के चार सदस्य सिद्दिपेट से खम्मम जिले के मसुरा जा रहे थे। इसी दौरान उनकी लॉरी ने सड़क किनारे खड़ी एक अन्य लॉरी में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल सिद्दिपेट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।



छात्र सीख रहे सुंदर हस्तलेखन

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हस्तलेखन की प्राचीन और आकर्षक कला सुलेख (कैलीग्राफी) एक बार फिर लोकप्रिय हो रही है। कार्यशालाओं तथा अल्पकालिक और दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से यह कला अब स्कूलों तक पहुंच चुकी है, जहां छात्र अपने हस्तलेखन कौशल को निखारने और प्रोजेक्ट कार्यों को आकर्षक बनाने के लिए इसे सीख रहे हैं। कुछ वर्ष पहले तक सुलेख कला अपनी पहचान खोने के कारार पर पहुंच गई थी, लेकिन शहर के कुछ सर्मापित कलाकारों ने इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास शुरू किया। गोलकोंडा के निक्ट कुली कुतुब शाही नगर स्थित जाहिद कैलीग्राफी स्टूडियो के संचालक मोहम्मद जाहिद अकरम ने बताया कि उन्होंने विभिन्न स्कूलों से संपर्क



कर छात्रों को सुलेख सिखाने की पहल की, जिसे स्कूल प्रबंधन ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया। अब बच्चों के लिए नियमित रूप से ऑफलाइन कार्यशालाएं और बुनियादी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सुलेख शब्द ग्रीक भाषा के दो शब्दों 'कल्लोस' (सुंदरता) और 'ग्राफिन' (लिखना) से मिलकर बना है, जिसका अर्थ 'सुंदर

लेखन' होता है। इस कला में विशेष कलमों, ब्रशों या डिजिटल उपकरणों की सहायता से आकर्षक और संतुलित अक्षरों का निर्माण किया जाता है। सुलेख विशेषज्ञ आरिफ अहमद के अनुसार, सामान्य लिखावट से अलग इस कला में मोटे और पतले स्ट्रोक बनाने के लिए विशेष तकनीक और अलग प्रकार की कलमों का उपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी

पैरों से बनाई राज्यपाल की तस्वीर, दिव्यांग कलाकार वैष्णवी को मिला सम्मान

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य गठन दिवस समारोह के दौरान मंगलवार को लोक भवन स्थित संस्कृति कम्युनिटी हॉल में एक भावुक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला, जब एक दिव्यांग युवती ने अपने पैरों से बनाई गई राज्यपाल की तस्वीर भेंट कर सभी का दिल जीत लिया। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में जूनियर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत मुठ्ठे वैष्णवी ने अपनी अद्भुत प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल का चित्र कैमरा अपने पैरों की उंगलियों से तैयार किया। राज्य गठन दिवस के अवसर पर उन्होंने यह चित्र स्वयं राज्यपाल को भेंट करने की इच्छा जताई थी, जो समारोह के दौरान पूरी हुई। जैसे ही वैष्णवी ने अपने हाथों



के बजाय पैरों से बनाई गई यह विशेष कलाकृति राज्यपाल की सराहना करते हुए कहा कि वह समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद कला के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करना वैष्णवी की असाधारण उपलब्धि

वैष्णवी की प्रतिभा, संघर्षशीलता और अदम्य इच्छाशक्ति की सराहना करते हुए कहा कि वह समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद कला के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करना वैष्णवी की असाधारण उपलब्धि